IIS – MA(DDCE) —
CBCS (Hn) – V

2016

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** Sections as directed.*

Section – A

Answer any **three** questions within **700-1000** words each : 12×3 = 36

1. विद्यापति के श्रृंगार वर्णन की विशेषताएँ बताइए ।
2. विद्यापति की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
3. 'पृथ्वीराज रासो' की विषय-वस्तु की ऐतिहासिकता की परीक्षा कीजिए ।
4. शशिव्रता के रूप-सौन्दर्य और चारित्रिक गुणों की चर्चा कीजिए ।
5. चर्यापद के आधार पर सिद्धों की विचारधारा का सम्यक् आकलन कीजिए ।

Section – B

Answer any **three** questions within **500** words each : 8×3 = 24

सप्रसंग व्याख्या करें :

6. ससिर अंत आवत बसंत । बालह सैसव गम ।
अलिन पंष कोकिल सुकंठ । सजिगुंड मिलत भ्रम ॥
मरु मारुत मुरि चले । मुरे मुरि बअस प्रभानं ॥
तुछ कोंपर सिस फूट्टि । आन किस्सोर रंगानं ॥
लीनीं न अंमिनक स्याम तन । मधुर मधुर धुनि करिय ॥
जानी न बयन आवन बसंत । अज्ञाता जोवन अरिय ॥

7. अभिनव पल्लव बइसक देल। धमल कमल फुल पुरहर भेल ॥
करु मकरंद मंदाकिनि पानि । अरून असोग दोष दहु आनि ॥
माइ हे आज दिवस पुनमंत । करिअ चुमाओन राए बसंत ॥
सँपुन सुधानिधि दधि भल भेल । भभि भभि भमर हँकार गेल
केसु कुसुम सिन्दुर सम भास । केतकि धूलि बिथरहु पटवास ।
भनइ विद्यापति कवि कंठहार । रसबुझ सिव सिंह अवतार ॥

8. मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा विहरत छाती ।
गोपी सकल बिसरलन्हि रे, जत छलि अहिबात ॥
सुतलि छलहुँ अपन घर रे, गेलहुँ सपनाई ।
करसएँ छुटल परसमणि रे, कओन लेल अपनाई
कत कहबो कत सुमिरबों रे, हमे मरिअ गरानि ॥

9. जे जे आइला तेते गेला ।
अयणागवणे कान्हु विमन भइला ॥
हेरि से काहिन निअड़ि जिनउर वट्टइ ।
भणइ काह्नु मो हिअहि न पइसइ ॥

10. सुसुरा निद गेल बहुड़ी जागअ ।
कानेट चोरे निल का गई मागअ ॥
दिवसइ बहुड़ी काउइ डरै भाअ ।
रति भइले कामरू जाअ ॥

Section – C

Answer any **two** questions within **300** words each : 5×2 = 10

11. गंधर्व शशिव्रता के पास क्यों गया ?

12. वसंत के जन्म होने पर क्या हुआ ?

13. 'केसु कुसुम सिन्दुर सम भास' का क्या तात्पर्य है ?

14. 'काआ तरुवर पंच विडाल' का क्या अर्थ है ?

❖

1/7/2016

IIS – MA(DDCE) —
CBCS (Hn) – VI

2016

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** Sections as directed.*

Section – A

Answer any **three** questions within **700-1000** words each : 12×3 = 36

1. मनुष्य, संसार और ब्रह्म के संबंध में कबीर के विचारों का आकलन कीजिए।
2. कबीर के गुरु संबंधी विचारों का प्रकाश डालिए ।
3. जायसी का विरह वर्णन अत्यंत मर्मस्पर्शी है — सोदाहरण इस कथन की सार्थकता प्रतिपादित कीजिए ।
4. 'रामचरितमानस' के सुन्दरकाण्ड की विशेषताओं पर एक लेख लिखिए ।

5. प्रेम और विरह वर्णन में घनानन्द सिद्धहस्त हैं — उदाहरण देकर इस उक्ति को प्रमाणित कीजिए ।

Section – B

Answer any **three** questions within **500** words each : 8×3 = 24

6. कबीर सूता क्या करै, जागि न जपै मुरारि ।
एक दिनां भी सोवणां, लंबे पांव पसारि ॥
कबीर सूता क्या करै, काहे न देखे जागि ।
जाका संग तै बिछुड्या, ताही के संग लागि ।

7. जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं ।
यह ब्योपार तिहारो उधो एसोई फिरि जैहै ।
जापैं लै आए है । मधुकर ताके उर न समैहैं ।
दाख छाँडि कै कटुक निबोरी को अपने मुख खैहैं ?
मूरी के पातन के केना भी मुक्तहल दैहै ।
सूरदास प्रभु गुनहि छांडिकै को निर्गुन निरबै है ?

8. पुनि संभारि उठि सो लंका । जोरि पानि का बिनय ससंका ॥
जब रावनहि ब्रह्मवर दीन्हा । चलत विरंचि कहा मोहि चीन्हा ॥
विकल होसि तैं कपि के मारे । तब जानेसु निसिचर संहारे ॥
तात मोर अति पुण्य बहूता । देखेउँ नयन राम कर दूता ॥

तात स्वर्ग अपबर्ग सुख धरिऊ तुला एक अंग ।
तूल न ताहि सकल मिलि जो सुख लव सतसंग ॥

9. और-ओप कनीनिकनु गनी धनी — सिरताज ।
मनीं धनी के नेह की बनी छनीं पट लाज ।
सनि-कज्जल चख-झख-लगन उपज्यौ सुदिन सनेहु ।
क्यों न नृपति ह्वै भोगवै लगि सुदेसु सबु देहु।

10. तब तौ छवि पीवत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे ।
हित-पोष के तोष सु प्रान पले, विललात महादुख-दोष-भरे ।
घनआनँद मीत सुजान बिना सब ही सुख-साज-समाज टरे ।
तब हार पहार से लागत है अब आनि कै बीच पहार परे ॥

Section – C

Answer any **two** questions within **300** words each : 5×2 = 10

11. 'पद्मावत' के कथा-विन्यास पर प्रकाश डालिए ।

12. तुलसी समन्वय के कवि हैं — प्रमाणित कीजिए ।

13. 'भ्रमरगीतसार' की विशेषताओं का आकलन कीजिए।

14. रीतिकाव्य-धारा में बिहारी का स्थान निर्णय कीजिए ।

———— ❖ ————

2016

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** Sections as directed.*

Section – A

Answer any **three** questions within **700-1000** words each : 12×3 = 36

1. कामायनी के श्रद्धा-सर्ग की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए ।
2. 'तुलसीदास' कविता के माध्यम से भारतीय जीवन के किन वैशिष्ट्यों का उद्‌घाटन हुआ है ?
3. 'उर्वशी' काव्य में कामाध्यात्म की प्रतिष्ठा किन युक्तियों के आधार पर किया गया है ?
4. 'असाध्यवीणा' के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए ।
5. 'मोचीराम' कविता में निहित व्यंग्य पर विचार कीजिए ।

Section – B

Answer any **three** questions within **500** words each : 8×3 = 24

6. नील परिधान बीच सुकुमार
   खुल रहा मृदुल अधखुला अंग ;
   खिला हो ज्यों विजली का फूल
   मेघ-बन बीच गुलाबी रंग ।

7. रघुकुल गौरव, लघु हुए जा रहे तुम इस क्षण
   तुम फेर रहे हो पीठ हो रहा जब जय रण ।
   कितना श्रम हुआ व्यर्थ-आया जब मिलन समय
   तुम खींच रहे हो हस्त जानकी से निर्दय ।

8. साँस में सौरभ तुम्हारे गाव में गायन भरा है,
   सोचता हूँ प्राण को इस गन्ध की भीनी लहर से,
   और अंगों की विभा की वीचियों से एक होकर
   मैं तुम्हारे रंग का संगीत सुनता हूँ ।
   और फिर यह सोचता, कहाँ, किस लोक में हूँ ?

9. आधी रात, इतने अँधेरे में, कौन आया मिलने ?
   विमन प्रतीक्षातुर कुहरे में घिरा हुआ
   द्युतिमय मुख-वह प्रेम भरा चेहरा

   भोलाभाला भाव
   पहचानता हूँ बाहर जो खड़ा है ।

10. सच कहता हूँ उस समय
    राँपी की मुठ को हाथ में संभालना
    मुश्किल हो जाता है
    हाथ कहीं जाता है
    मन किसी भुँझलाये हुए बच्चे-सा
    काम पर आने से बार-बार इनकार करता है
    लगता है कि चमड़े की शराफत के पीछे
    कोई जंगल है, जो आदमी पर, पेड़ से वार करता है ।

Section – C

Answer any **two** questions within **300** words : 5×2 = 10

11. 'बाबरा अहेरी' किस-किस पर जाल बिछाता है और कैसे ?

12. श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

13. तुलसीदास क्या निश्चय कर लेते हैं ?

14. 'संसद से सड़क तक' कविता का उद्देश्य क्या है ?

———— ❖ ————

IIS – MA(DDCE) —
CBCS (Hn) – VIII

2016

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

Answer any **three** questions within **700-1000** words each : 12×3 = 36

1. 'गोदान' भारतीय कृषक जीवन की जीवन गाथा है — विवेचन कीजिए ।
2. 'राग दरबारी' के वैद्यजी का चरित्र चित्रण कीजिए ।
3. 'गोदान' हमारे ग्रामीण जीवन के अंधकार पक्ष की कथा है — इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।
4. 'राज दरबारी' समकालीन जिन्दगी का दस्तावेज है — इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

5. कहानी-कला की दृष्टि से 'जहाँ लक्ष्मी कैद है' **अथवा** 'बादलों के घेरे' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

Section – B

Answer any **three** questions within **500** words each: 8×3 = 24

6. वह आफत के सारे व्यंग्य वाणों से आहत और जीवन के आघातों से व्यथित किसी वृक्ष की छाँह खोजती फिरती थी, और उसे एक भवन मिल गया था, जिसके आश्रय में वह अपने को सुरक्षित और सुखी समझ रही थी ; पर आज वह भवन अपना सारा सुख-विलास के लिए अलादीन के राज महल की भाँति गायब हो गया था और भविष्य एक विकराल दानव के समान उसे निगल जाने को खड़ा था ।

7. पुरुष में नारी गुण आ जाते हैं तो वह महात्मा बन जाता है । नारी में पुरुष गुण आ जाते हैं तो वह कुलटा हो जाती है । पुरुष आकर्षित होता है स्त्री की ओर, जो सर्वांश में स्त्री हो ।

8. उसके पास बैठे हुए इस धोती-कुरता-टोपी वाले आदमी को देखकर दूर से ऐसा लगता होगा जैसे दो गंभीर आदमी देश की समस्याओं पर काफी गहरा चिन्तन कर रहे हैं । एक अपनी भौंहों को सिकोड़कर कह रहा था,'' सब गारद कर दिया नये

कानून ने । बड़े-बड़े रईसजादे गाना सुनने को तरस रहे हैं । अब तो थाने वाले ने इजाजत दे दी है । वैठक में गाना-वाना चलने लगता है ।

9. सनीचर का चेहरा टेढ़ा-मेढ़ा होने लगा । उसने हाथ जोड़ दिये- पुलक गात लोचन सलिल । किसी गुप्त रोग से पीड़ित, उपेक्षित कार्यकर्त्ता के पास मेडिकल असोसिएशन का चेयरमैन बनने का परवाना आ जाये तो उसकी क्या हालत होगी ? वही सनीचर की हुई । फिर अपने को काबू में करके उसने कहा, ''अरे नहीं महाराज, मुझ-जैसे नालायक को आपने इस लायक समझा, इतना बहुत है । पर मैं इस इज्जत के काबिल नहीं हूँ ।

10. केवल चक्की के ऊपर वाले पाट की घिसटती हुई घरघराहट का हल्का धीमा संगीत चल रहा था । तभी गुसाईं ने सुना अपनी पीठ के पीछे, घट के द्वार पर, इस संगीत से भी मधुर एक नारी का कंठ-स्वर, 'कब बारी आयेगी' ? रात के रोटी के लिए भी घर में आटा नहीं है ।

Section – C

Answer any **two** questions within **300** words each: 5×2 = 10

11. क्या 'गोदान' एक सफल उपन्यास है ? अपने विचार लिखिये ।

12. 'गोवर' चरित्र के माध्यम से लेखक ने क्या कहना चाहा है ?

13. 'राग दरबारी' उपन्यास का नायक कौन है ? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

14. मलवे को देखने के बाद गनी की जो हालत हुई उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

2016

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

Answer any **three** questions within **700-1000** words each : 12×3 = 36

1. नाट्य-कला की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' नाटक की समीक्षा कीजिए ।
2. 'आधे-अधूरे' एक सफल पारिवारिक नाटक है – इस कथन को उदाहरणों के माध्यम से प्रमाणित कीजिए ।
3. एकांकी कला की दृष्टि से 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की समीक्षा कीजिए ।
4. 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबन्ध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

5. काव्यशास्त्र की दृष्टि से शुक्लजी के 'कविता क्या है' निबन्ध की समीक्षा कीजिए ।

Section – B

Answer any **three** questions within **500** words each : 8×3 = 24

6. जब और किसी को यहाँ दर्द नहीं किसी चीज का, तो अकेली मैं ही क्यों अपने को चीखती रहूँ रात-दिन ? मैं भी क्यों न सुर्खरू होकर बैठ रहूँ अपनी जगह ? उससे तो तुममें से कोई छोटा नहीं होगा।

7. मैं चाहती हूँ चारू की यह लड़ाई शीघ्र ही समाप्त हो जाय । सच मान, यह युद्ध मुझे अच्छा नहीं लगता । हमारे सुख और शांति के जीवन में जहाँ हँसी का फूल खिलना चाहिए, वहाँ आह और कराह काँटे की तरह चुभ जाती है ।

8. मैं सोचता था कि जब अपने परिवार का ध्यान करता हूँ तो मेरे सामने बट का महान पेड़ घूम जाता है, शाखाओं, पत्तों, फलों से भरा-पूरा और फिर मेरी आँखों के सामने इस महान वृक्ष की डालियाँ टूटने लगती है और यह केवल ठूँठ रह जाता है ।

9. अनन्त रूपों में प्रकृति हमारे सामने आती है – कहीं मधुर, सुसज्जित या सुन्दर रूप में ; कहीं रूखे बेडौल या कर्कश रूप में ;

कहीं भव्य, विशाल या विचित्र रूप में, कहीं कराल या भयंकर रूप में। सच्चे कवि का हृदय उसके इन सब रूप में लीन होता है ।

10. तथाकथित अज्ञान में प्रकाशमान यह सत्य हमारे झूठे ज्ञान के अभिमान को एक चुनौती है, हमारे सांस्कृतिक वैभव को एक चुनौती है । यह स्याह पड़ा हिमालय बाहर नहीं, भीतर है । हमने अपने को उररनों के बल पर जो अधनंगे अकिंचन लोगों से अलग स्तर पर स्थापित मान रखा है, उसी का यह वैरूप्य है कि हिमालय स्याह पड़ा दीखता है ।

Section – C

Answer any **two** questions within **300** words each : 5×2 = 10

11. मोहन राकेश का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

12. मोहन राकेश का 'आधे-अधूरे' नाटक एक सफल नाटक है — प्रमाणित कीजिए ।

13. बेला किस एकांकी का चरित्र है ? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

14. 'कविता क्या है' में काव्य प्रयोजन के संबंध में क्या कहा गया है, लिखिए ।

———— ❖ ————